दर्शनशास्त्र की प्रमुख कितनी शाखाएँ हैं:-

दर्शनशास्त्र की प्रमुख रूप से आठ शाखाएँ हैं:—(i) शब्दमीमांसा (Semantics) (ii) तर्कशास्त्र (Logic) (iii) ज्ञानमीमांसा (Epistemology) (iv) तत्वमीमांसा (metaphysics) (v) नीतिशास्त्र (Ethics) (vi) समाज एवं राजनीति दर्शन (social and political philosophy) (vii) धर्म दर्शन (philosophy of Religion) (viii) विज्ञान दर्शन (philosophy of science)

तर्कशास्त्र की विषय-वस्तु क्या है? एवं इसके क्षेत्र की व्याख्या करें।

उ:- "तर्कशास्त्र वह विज्ञान है जो अनुमान (विचार) के व्यापक नियमों तथा अन्य सहायक मानसिक क्रियाओं का अध्ययन इस उद्देश्य से करता है कि उनके व्यवहार से सत्यता की प्राप्ति हो"।

तर्कशास्त्र जिन विषयों का अध्ययन करता है उसे इसके क्षेत्र कहलाते हैं। तर्कशास्त्र का अपना विषय है, जिन विषयों का वह अध्ययन करता है वही तर्कशास्त्र के क्षेत्र कहलाते हैं। (1.) तर्कशास्त्र अनुमान का अध्ययन करता जो इसका मुख्य विषय है। अनुमान दो तरह के होते हैं— निगमनात्मक (deductive) और आगमनात्मक (inductive)। अनुमान के इन दोनों प्रकारों का अध्ययन तर्कशास्त्र में होता है।

(2.) अनुमान वाक्यों से बनता है। जैसे:- सभी भारतीय स्त्रीयाई हैं। बिहारी भारतीय हैं। इसलिए बिहारी स्त्रीयाई हैं। इस अनुमान में तीन वाक्य हैं। वाक्यों में पद होते हैं। प्रथम वाक्य में 'सभी भारतीय' और 'स्त्रीयाई' दो पद है। अन्य वाक्यों में भी पद हैं। अतः अनुमान को समझने के लिए वाक्यों (propositions) और पदों (terms) का अध्ययन आवश्यक है।

(3.) अनुमान को ठीक-ठीक समझने के लिए कुछ मानसिक क्रियाओं का अध्ययन भी आवश्यक है। इसलिए तर्कशास्त्र में परिभाषा (definition), विभाजन (division), वर्गीकरण (classification), निरीक्षण (observation), प्रयोग (experiment), कल्पना (hypothesis), व्याख्या (explanation) आदि का भी अध्ययन किया जाता है।

Scanned with CamScanner

(4.) चूँकि तर्कशास्त्र में अनुमान का अध्ययन होता है और अनुमान को विचार (thought) भी कहते है। इसलिए तर्कशास्त्र में विचारों का भी अध्ययन होता है और विचार भाषा के द्वारा व्यक्त किये जाते है। इसलिए इसमें भाषा (language) का भी अध्ययन होता है। विचार प्रायः वस्तु के अनुकूल होते है। इसलिए तर्कशास्त्र में वस्तु का भी अध्ययन होता है। विचार, भाषा और वस्तु तीनों एक-दूसरे से सम्बन्धित है। इसलिए तर्कशास्त्र का सम्बन्ध तीनों से है।

उपर्युक्त सभी बातें तर्कशास्त्र के अध्ययन के विषय या क्षेत्र है। परन्तु Duns Scotus ने तर्कशास्त्र के विषय-विस्तार या क्षेत्र के सम्बन्ध में कहा कि - 'यह सभी विज्ञानों का विज्ञान तथा सभी कलाओं की कला है (it is the science of all sciences and art of all arts).

Rishikesh
25-07-2020

Scanned with CamScanner